

MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY

(REGULAR MODE) APRIL, 2026

SEMESTER : I/II/III/IV

PROGRAMME : M.A - HINDI

SEMESTER : II

TITLE & PAPER CODE : मध्यकालीन हिन्दी काव्य, CODE: MAHN202CCT

TIME: 3 HOURS

TOTAL MARKS: 70

सूचनाएँ:- यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित हैं। भाग - I, भाग- II और भाग - III.
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्दों में दीजिए।

भाग - I

1. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए।

10 X 1 = 10

- I. "भक्ति द्रविडी ऊपजी लाए रामनद" - किसने कहा है?
- II. श्री संप्रदाय के प्रवर्तक कौन है?
- III. 'बिहारी सतसई' में दोहे के संख्या कितनी है?
- IV. कबीर का निधन कहाँ हुआ था?
- V. केशवदास किस धारा के प्रतिनिधि कवि है?
- VI. 'भक्तमाल' के रचनाकार कौन है?
- VII. 'कवित रत्नाकर' किसकी रचना है?
- VIII. संत रैदास किसके शिष्य थे?
- IX. रीति संप्रदाय के प्रवर्तक कौन है?
- X. "गंगा लहरी" किसकी रचना है ?

भाग - II

II. निम्नलिखित आठ प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना अनिवार्य है। 5 X 6 = 30

2. सगुण भक्ति को स्पष्ट कीजिए।
3. सूरदास के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
4. घना नंद के साहित्यिक परिचय को स्पष्ट कीजिए।
5. रैदास के पदों का मुख्य उद्देश्य क्या है?
6. जायसी के साहित्यिक परिचय दीजिए।
7. रीतिबद्ध काव्य किसे कहते हैं?
8. भ्रमरगीत का नाम क्यों रखा गया है?
9. बिहारी के साहित्यिक परिचय को स्पष्ट कीजिए।

भाग - III

III. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। 3 X 10 = 30

- 10) रीतिसिद्ध और रीतिसिद्ध काव्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
- 11) मीरा बाई की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए।
- 12) रहीम के दोहों में भक्ति भावना किस प्रकार से वर्णित है?

निम्नलिखित पदों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

- 13) दुलहनी गावहु मंगलचार,
हम घरि आए हो राजा राम भरतार।
तन रत करि मैं मन रत करिहूँ, पंचतत्त बराती।
राम देव मोरै पाहुनै आये मैं जोबन मैं माती॥
- 14) पहिले करि परिणाम नन्द सो समाचार सब दीजो।
और वहाँ ऋषभानु गोप सों जाय सकल सुधि लीजो॥
श्रीदामा आविक सब ग्वालन मेरे हुतो भेंटियों।
सुख संदेश सुनय हमारो गोपिन को दुख मेटियो॥

@@@@@